(GI-2, GI-6, GI-7, VI-1, VDI-1, DRIVE & FMT)
DATE: 07.10.2023 MAXIMUM MARKS: 100 TIMING: 3¼ Hours

PAPER : AUDITING

DIVISION – A (MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

ANSWER (1-20) CARRY 1 MARK EACH

1. Ans. c
2. Ans. c
3. Ans. b
4. Ans. c
5. Ans. c
6. Ans. b
7. Ans. b
8. Ans. a
9. Ans. c
10. Ans. a
11. Ans. a
12. Ans. c
13. Ans. d
14. Ans. b
15. Ans. c
16. Ans. d
17. Ans. c
18. Ans. a
19. Ans. c
20. Ans. c

ANSWER (21-25) CARRY 2 MARKS EACH

21. Ans. b
22. Ans. b
23. Ans. d
24. Ans. b
25. Ans. c

DIVISION B-DESCRIPTIVE QUESTIONS
QUESTION NO. 1 IS COMPULSORY
ATTEMPT ANY FOUR QUESTIONS FROM THE REST

Answer 1:
Examine with reasons (in short) whether the following statements are correct or incorrect : (Attempt any 7 out of 8)

(i) **गलत** : धोखाधड़ी में इसे छुपाने के लिए डिजाइन आधुनिक तथा ध्यानपूर्वक गठित योजना लिप्त हो सकती है। इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य को इकट्ठा करने के लिए प्रयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया एक जानबूझकर मिथ्या विवरण की खोज के लिए अप्रभावी हो सकता है जिसमें उदाहरण के लिए प्रपत्र का असत्यकरण के लिए सांठगांठ हो सकती है जो अकेंक्षक को यह विश्वास दिला सकता है कि अंकेक्षण साक्ष्य वैद्य है जब यह नहीं है। अकेंक्षक प्रपत्र की प्रमाणिकता में ना ही तो प्रशिक्षित ना ही विशेषज्ञ होने की अपेक्षा है।

(ii) **गलत :** एक अंकेक्षण आरोपित गलत करने के लिए एक अधिकारिक अन्वेषण नहीं है। तदानुसार, एक अंकेक्षक को विशिष्ट कानूनी अधिकार नहीं दिया गया, जैसे खोज का अधिकार जो एक अन्वेषण के लिए आवश्यक हो सकता है।

(iii) **गलत :** कठिनाई, समय अथवा लिप्त लागत एक अंकेक्षण प्रक्रिया जिसके लिए कोई विकल्प नहीं है, को हटाने के लिए स्वयं में अंकेक्षक के लिए वैद्य कारण नहीं है।
उपयुक्त योजना अंकेक्षण का परिचालन के लिए पर्याप्त संचय तथा सूचना की प्रासंगिकता तथा इसका मूल्य समय के साथ कम हो जाता है तथा सूचना की विश्वसनीयता तथा इसकी लागत के मध्य संतुलन बनाना होता है।

(iv) **गलत :** अंकेक्षक को अपने कार्य की योजना बनाना चाहिए जो उसे एक प्रभावी तथा समयबद्ध तरीका में प्रभावी अंकेक्षक का परिचालन में समर्थ करता है। योजना मुवक्किल के व्यापार के ज्ञान पर आधारित होना चाहिए।

(v) **सही :** SA-300, ''वित्तीय विवरण की अंकेक्षण की योजना'' के अनुसार योजना एक अंकेक्षण का अलग चरण नहीं है, परन्तु एक लगातार तथा दोहराने वाली प्रक्रिया है जो प्रायः गत अंकेक्षण की पूर्णता के पश्चात (अथवा के सम्बन्ध में) एक दम आरम्भ होता है तथा चालू अंकेक्षण लिप्तता की पूर्णता तक जारी रहता है।

(vi) **गलत :** अंकेक्षक अंकेक्षण प्रपत्रीकरण के भाग के रूप में इकाई के रिकार्ड की प्रतिलिपि (उदाहरण के लिए, महत्वपूर्ण तथा विशिष्ट संविदा तथा समझौता सम्मिलित नहीं हो सकता) अंकेक्षण प्रपत्रीकरण इकाई का लेखांकन रिकार्ड का स्थानापन्न नहीं है।

(vii) **गलत :** SQC 1 ''फर्म के लिए गुणवत्ता नियंत्रण जो ऐतिहासिक वित्तीय सूचना का अंकेक्षण तथा समीक्षा अन्य आश्वासन तथा सम्बन्धित सेवा अंकेक्षण फाइलों के समूह के समयबद्ध पूर्णता के लिये फर्मो को नीतिया तथा प्रक्रियाऐं स्थापित करने की आवश्यकता है। फर्म का अंतिम अंकेक्षण फाइल की पूर्णता के लिए उपयुक्त समय सीमा अंकेक्षक की रिपोर्ट की तिथि के पश्चात् साधारणतः 60 दिवस से ज्यादा नहीं है।

(viii) **गलत :** जब अंकेक्षक ने निर्धारित किया है कि अभिकथन स्तर पर सारवान मिथ्या विवरण का समीक्षा जोखिम एक महत्वपूर्ण जोखिम है, अंकेक्षक मौलिक प्रक्रिया का निष्पादन करेगा जो उस जोखिम से विशेष रूप से प्रत्युत्तर में है, जब एक महत्वपूर्ण जोखिम से दृष्टिकोण केवल मौलिक दृष्टिकोण से मिलकर बना है। इन प्रक्रियाओं में विवरण का परीक्षण सम्मिलित होगा।

{One Mark for Correct or Incorrect and 1 Mark for Explanation}

Answer 2:

(a) अंकेक्षण में कवर होने वाले पक्ष : खातों का अंतिम विवरण से संबंधित एक अंकेक्षण में कवर किये जाने वाले प्रमुख पक्ष है :

(i) यह ज्ञात करने के लिए कि यह व्यापार के लिए उपयुक्त है तथा सभी सौदों को सही ढंग से रिकार्ड करने में सहायता करता है। लेखांकन तथा आंतरिक नियंत्रण की प्रणाली का परीक्षण। इसका इस प्रकार के परीक्षण तथा पड़ताल के द्वारा अनुगमन किया जाता है, को यह ज्ञात करने के लिए आवश्यक समझा जाता है क्या प्रणाली वास्तविक परिचालन में है। यह चरण एक राय को बनाने में आवश्यक है क्या खाता का अंतिम विवरण की तैयारी के लिए आधार के रूप में रिकार्ड पर विश्वास किया जा सकता है।

(ii) प्रणाली तथा प्रक्रिया की समीक्षा ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि क्या वे पर्याप्त तथा विस्तृत है तथा बिना ध्यान के धोखाधड़ी तथा त्रुटि की आज्ञा के लिए समग्र अपर्याप्तता तथा कमजोरी विद्यमान है।

(iii) खतोनी, शेष इत्यादि का सत्यापन द्वारा लेखा की पुस्तकों की अंकगणितीय शुद्धता की जांच।

(iv) प्रासंगिक सहायक प्रपत्रों के साथ लेखा की पुस्तकों में प्रविष्टियों का परीक्षण का प्रविष्ट सौदों की प्रमाणिकता तथा वैधता का सत्यापन तथा प्रमाणिकता।

(v) पूंजी तथा राजस्व की मदों के मध्य तथा लेखांकन अवधि के अनुरूप खातों में समायोजित आय तथा व्यय की विभिन्न मदों की राशि सही ढंग से अंतर किया गया है।

(vi) तुलनपत्र तथा लाभ तथा हानि खाता अथवा अन्य विवरण का अर्न्तनिहित रिकार्ड के साथ तुलना ताकि देखा जा सके कि उसके अनुसार है।

(Any 6 Points Each 1/2 Mark)

(vii) तुलनपत्र में प्रस्तुत सम्पत्तियों का स्वरूप, विद्यमानता तथा मूल्य का सत्यापन।
(viii) तुलनपत्र में वर्णित दायित्व का सत्यापन।
(ix) लाभ तथा हानि के द्वारा दिखाया परिणाम की जांच ताकि देखें कि क्या परिणाम सत्य तथा उचित है?
(x) जहां पर एक निगमित संस्था का अंकेक्षण है, पुष्टि करें कि वैधानिक आवश्यकता की अनुपालना की है।
(xi) उपयुक्त व्यक्ति/संस्था को रिर्पोटिंग क्या परीक्षण किये गये लेखा का विवरण संस्था का कार्याकलाप तथा लाभ तथा हानि का सत्य तथा उचित मत दिखाता है।

Answer:

(b) गैर सरकारी कम्पनियों के मामले में उत्तरवर्ती के अंकेक्षकों की नियुक्ति : कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 139(1) प्रदान करता है कि प्रत्येक कम्पनी प्रथम वार्षिक आम सभा में एक व्यक्ति अथवा फर्म को अंकेक्षक के रूप में नियुक्त करेगी जो उस सभा की समाप्ति से छटवां वार्षिक आम सभा तक समाप्ति तथा उसके पश्चात् प्रत्येक छटवां सभा की समाप्ति तक पद को धारित करेगा। **{2 M}**

इस संबंध में निम्न बिन्दु को नोट करने की आवश्यकता है :–

(i) कम्पनी प्रत्येक वार्षिक आम सभा में सदस्य द्वारा इस नियुक्ति को सुधार से संबंधित मामला को रखेगी।
(ii) इस प्रकार की नियुक्ति करने से पूर्व, इस नियुक्ति की अंकेक्षक की लिखित सहमति तथा उससे एक प्रमाण पत्र अथवा उसकी नियुक्ति यदि की गयी तो शर्त जैसा निर्धारित के अनुसार होगी, अंकेक्षक से प्राप्त करना होगा। **{1 M}**
(iii) प्रमाण पत्र में यह भी संकेत होना चाहिए क्या अंकेक्षक धारा 141 में प्रदान मानदंड को संतुष्ट करता है।
(iv) कम्पनी संबंधित अंकेक्षक को अपनी नियुक्ति को सूचित करेगा तथा सभा जिसमें अंकेक्षक को नियुक्ति किया, का 15 दिवस के अंदर पंजीयक को इस प्रकार की नियुक्ति का नोटिस भी फाइल करेगा। **{1 M}**

Answer:

(c) CIS वातावरण में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विश्वसनीयता : CIS वातावरण में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विश्वसनीयता का आंकलन के लिए अंकेक्षक निम्नलिखित पर विचार करेगा :

(i) प्रोसेसिंग के लिए प्राधिकृत सही तथा पूर्ण डाटा उपलब्ध किया गया है।
(ii) कि यह त्रुटि की समयबद्ध खोज तथा सुधार को प्रदान करता है।
(iii) कि यंत्रीकरण, विद्युत अथवा प्रोसेसिंग विफलता के कारण व्यवधान के मामले में, प्रणाली प्रविष्टी तथा रिकार्ड की पूर्णता को तोड़े मरोड़े के बिना पुनः आरंभ होता है।
(iv) कि यह आउटपुट की शुद्धता तथा पूर्णता को सुनिश्चित करता है।
(v) कि यह धोखाधड़ी के विरूद्ध अनुप्रयोग सोफ्टवेयर तथा डाटा फाइल को सुरक्षा प्रदान करती है।
(vi) कि यह प्रोग्राम में गैर प्राधिकृत संशोधन को रोकता है।

(Any 4 Points Each 1 Mark)

Answer:

(d) अधिनियम की धारा 143(3)(f) के अंतर्गत प्रतिवेदन :

अधिनियम की धारा 143(3)(f) वर्णित करता है –

''अंकेक्षक की रिपोर्ट वित्तीय सौदों पर अथवा मामलों जिस पर कम्पनी की कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है पर अंकेक्षकों का अवलोकन अथवा टिप्पणी को भी वर्णित करें।'' **{1 M}**

वाक्य (f) अंकेक्षक को ''वित्तीय सौदा'' अथवा मामला जिस पर कम्पनी का कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है पर अंकेक्षकों का अवलोकन अथवा टिप्पणी को रिपोर्ट करने के लिए कहता है। एक अंकेक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरण पर अंकेक्षक की रिपोर्ट पर मामला का जोर अथवा अंकेक्षक की राय पर संशोधन की तरफ ले जाता मामला समाहित है। इस प्रकार का मामला मुद्दों से संबंधित है जिसका कम्पनी का **{1 M}**

कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है। शब्द ''अवलोकन'' अथवा ''टिप्पणी'' जैसा धारा 143(3) के वाक्य (f) में प्रस्तुत है, का वही अर्थ माना गया है जैसा अंकेक्षक की रिपोर्ट में संशोधन की तरफ ले जाता है ''मामला का जोर पैराग्राफ'' को संदर्भित करता है।

तदानुसार, धारा 143(3) का वाक्य (f) के अंतर्गत रिपोर्ट की आवश्यकता का निर्धारण करने के लिए अंकेक्षक की रिपोर्ट में अंकेक्षक द्वारा वित्तीय सौदा अथवा मामला पर अंकेक्षक का अवलोकन अथवा टिप्पणी है। इसलिए वित्तीय सौदा अथवा मामला पर अंकेक्षक का अवलोकन अथवा टिप्पणी जिसका कम्पनी का कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है, को इस वाक्य के अंतर्गत रिपोर्ट करना होगा। स्पष्टता के लिए यह नोट किया जा सकता है कि ना ही तो अंकेक्षक का अवलोकन ना ही उसके द्वारा टिप्पणी का कम्पनी की कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है। अंकेक्षक द्वारा की गयी इन अवलोकन अथवा टिप्पणी का कम्पनी पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है। **{1 M}**

Answer 3:

(a) अंकेक्षण साक्ष्य की विश्वसनीयता : SA 500 ''अंकेक्षण साक्ष्य'' प्रदान करता है कि सूचना की विश्वसनीयता को अंकेक्षण साक्ष्य के रूप में प्रयुक्त करना चाहिए तथा इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य स्वंय में इसके स्त्रोत तथा प्रकृति तथा परिस्थिति से प्रभावित होता है जिसमें परिस्थितियां जिनके तहत् इसे प्राप्त किया है जिसमें जहां पर प्रासंगिक है इसकी तैयारी तथा बनाये रखने के उपर नियंत्रण सम्मिलित है। इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य की विभिन्न प्रकार की विश्वसनीयता के बारे में सामान्यकरण महत्वपूर्ण अपवाद के तहत् है। यहां तब जब अंकेक्षण साक्ष्य के रूप में प्रयुक्त होने वाली सूचना को इकाई से बाहर स्त्रोत से प्राप्त किया, परिस्थिति विद्यमान हो सकता है जो उसकी विश्वसनीयता का प्रभावित कर सकता है। उदाहरण के लिए, एक स्वतंत्र बाहरी स्त्रोत से प्राप्त सूचना विश्वसनीय नहीं हो सकती यदि स्त्रोत ज्ञानवान योग्य नहीं है, अथवा प्रबंधन का विशेषज्ञ में वस्तु परकता का अभाव हो सकता है। यह मानकर कि अपवाद विद्यमान हो सकता है। अंकेक्षण साक्ष्य की विश्वसनीयता के बारे में सामान्यीकरण उपयोग हो सकता है। **{2 M}**

(1) अंकेक्षण साक्ष्य की विश्वसनीयता बढ़ जाती है जब इसे इकाई से बाहर स्वतंत्र स्त्रोत से प्राप्त किया है।

(2) अंकेक्षण साक्ष्य की विश्वसनीयता जिसे आंतरिक रूप से सृजित किया बढ़ जाता है इकाई द्वारा लगाया जाना संबंधित नियंत्रण जिसमें इसकी तैयारी तथा अनुरक्षण सम्मिलित है प्रभावी है।

(3) अंकेक्षक द्वारा सीधे रूप से प्राप्त अंकेक्षण साक्ष्य (उदाहरण के लिए नियंत्रण का उपयोग के बारे में पड़ताल) प्राप्त अंकेक्षण साक्ष्य से अधिक विश्वसनीय है।

(4) प्रपत्रीकरण स्वरूप चाहे पेपर, इलेक्ट्रोनिक अथवा अन्य माध्यम में अंकेक्षण साक्ष्य मौखिक रूप से प्राप्त साक्ष्य से ज्यादा विश्वसनीय होता है। (उदाहरण के लिए एक सभा का समकालीन लिखित रिकार्ड चर्चा किये गये मामला का बाद में मौखिक प्रतिवेदन में अधिक विश्वसनीय है)

(5) मूल प्रपत्र द्वारा प्रदान अंकेक्षण साक्ष्य फोटोकॉपी अथवा फेक्स अथवा प्रपत्र जिसकी फिल्म बनायी गयी है, अंकीय किया है अथवा अन्यथा इलेक्ट्रोनिक स्वरूप में रूपांतरित किया से अधिक विश्वसनीय है, जिसकी विश्वसनीयता उसकी तैयार तथा अनुरक्षण के नियंत्रण पर निर्भर हो सकती है।

(Any 4 Points Each 1/2 Mark)

Answer:

(b) एक शिक्षण संस्थान के अंकेक्षण में शामिल विशेष चरण निम्न हैः–

(i) विद्यालय अथवा महाविद्यालय के मामले में न्यास प्रलेख अथवा विनियमन का परीक्षण करे तथा खातों को प्रभावित करने वाले प्रावधान को नोट करें। एक विश्वविद्यालय के मामले में अधिनियम अथवा विधान तथा उसके अंतर्गत बनाये विनियमन को संदर्भित करें।

(ii) प्रबंध समिति अथवा संचालन संस्था की सभा में कार्यवृत्त को पढ़े। खातों को प्रभावित करने वाले प्रस्ताव को नोट करें ताकि यह देखा जा सके कि इनकी अनुपालना की गयी है विशेष रूप से बैंक खाता का परिचालन तथा व्यय का अनुमोदन के संबंध में।

(iii) क्रमशः कक्षा रजिस्टर के साथ प्रत्येक माह अथवा अवधि के लिए छात्र शुल्क रजिस्टर में प्रविष्ट नाम की जाँच करें, जो रोल पर छात्र का नाम दिखाया तथा वसूल शुल्क की राशि की टेस्ट जाँच करें तथा सत्यापन करें कि आंतरिक जांच का सिस्टम परिचालित है जो सुनिश्चित करता है कि छात्रों के विरूद्ध मांग को लेखांकित किया है।

(Any 12 Points Each 1/2 Mark)

(iv) प्राप्तियों के प्रतिपर्ण की तुलना द्वारा प्राप्त की गयी फीस की रोकड़ बही में प्रविष्टियों की जांच करें तथा संग्रह का पता लगाने को फीस रजिस्टर से पुष्टि करें कि इस स्त्रोत से आगम को ठीक प्रकार गणना किया गया है।

(v) यह ज्ञात करने के लिए कि अग्रिम में भुगतान शुल्क को आगे लाया गया है प्रत्येक माह अथवा अवधि के लिए शुल्क रजिस्टर का विभिन्न कॉलम का योग करें तथा बकाया जो वसूल नहीं किया जा सकता, को उपयुक्त प्राधिकरण की अनुमोदन के अंतर्गत अपलिखित किया है।

(vi) प्रवेश शुल्क को संस्थान के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित प्रवेश पर्ची के साथ जांच करें तथा पुष्टि करें कि राशि को पूंजी फंड में क्रेडिट किया जब तक कि प्रबंधन समिति ने इसके विपरीत निर्णय ना लिया हो।

(vii) देखें कि निःशुल्क छात्रवृत्ति तथा रियायत को निर्धारित नियम को ध्यान में रखकर इस प्रकार प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा प्रदान किया है।

(viii) पुष्टि करें कि देरी से भुगतान अथवा अनुपस्थिति इत्यादि के लिए जुर्माना को एकत्रित किया अथवा उपयुक्त प्राधिकरण के अंतर्गत माफ किया है।

(ix) पुष्टि करें कि छात्रावास के देय को छात्र का खाता बंद होने से पूर्व वसूल कर लिया तथा उनकी जमा राशि को वापिस कर दिया।

(x) जमीनी सम्पत्ति से किराया आय को किराया रोल से सत्यापन करें।

(xi) बंदोबस्ती तथा विरासत से आय का तथा निवेश से ब्याज तथा लाभांश का प्रमाणन करें तथा धारित निवेश के संबंध में प्रतिभूतियों का निरीक्षण करें।

(xii) सरकार अथवा स्थानीय निकाय अनुदान का अनुदान का प्रासंगिक पेपर के साथ सत्यापन करें। यदि अनुदान के उद्देश्य के लिए व्यय को अस्वीकृत किया, कारण तथा उसका अनुपालन ज्ञात करें।

(xiii) शुल्क, डोरमेटरी किराया के कारण पुराने बकाया को प्रबंध समिति को रिपोर्ट करें।

(xiv) पुष्टि करें कि प्रवेश पर छात्रों द्वारा भुगतान कॉशन मनी तथा अन्य जमा को तुलनपत्र में दायित्व के रूप में दिखाया तथा राजस्व को अंतरित नहीं किया।

(xv) देखें कि पुरस्कार के लिए बंदोबस्ती फंड की तरफ निवेश को पृथक रूप से रखा है तथा इनामों के आधिक्य में किसी आय को संग्रहित किया तथा कोष के साथ निवेशित किया।

(xvi) सत्यापन करें कि कर्मचारी का भविष्य निधि को उपयुक्त प्रतिभूति में निवेशित किया है।

(xvii) वार्षिक रिपोर्ट के साथ प्रकाशित दान यदि कोई है तो उसका प्रमाणन करें। यदि कुछ दान किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए है, देखें कि धन को उद्देश्य के लिए प्रयुक्त किया।

(xviii) सामान्य तरीके से सभी पूंजीगत व्यय का प्रमाणन करें तथा समिति के लिए अनुमोदन का सत्यापन करें जैसा कार्यवृत्त पुस्तिका में समाहित है।

(xix) सभी स्थापना व्यय के सभी सामान्य तरीके में प्रमाणन करें तथा किसी शीर्ष के अंतर्गत असामान्य ज्यादा व्यय की पड़ताल करें।

(xx) देखें कि कर्मचारी का वेतन में वृद्धि का अनुमोदन किया तथा समिति द्वारा मिंट किया गया।

(xxi) सुनिश्चित करें कि प्राप्ति तथा निर्गमन के प्रावधानों, खाद्य पदार्थो, कपड़ों तथा उपकरणों पर आदेशित जांच प्रणाली पर्याप्त है तथा सभी बिलों को भुगतान से पूर्व ठीक प्रकार प्राधिकृत तथा पारित किया है।

(xxii) फर्नीचर, स्टेशनरी, कपड़ों, प्रावधानों तथा सभी उपकरणों के स्टॉक का सत्यापन करें। इनका स्टॉक रजिस्टर के संदर्भ द्वारा जांचा जाना चाहिये तथा विभिन्न मदों का लगाया गया मूल्य भी जांचा जाना चाहिये।

(xxiii) सुनिश्चित करें कि निवेश (प्रतिभूतियों पर ब्याज इत्यादि) से आय पर काटे गये करों के प्रतिदाय का दावा किया गया तथा वसूल किया गया है चूंकि आम तोर पर संस्थान आय कर के भुगतान से मुक्त होते हैं।

(xxiv) लेखों के वार्षिक विवरणों का सत्यापन करें तथा ऐसा करते समय देखें कि गरीब छात्र कोष, खेल कोष, हॉस्टल तथा स्टॉफ का प्रोविडेंड कोष इत्यादि लेखों के अलग विवरण बनाये गये हैं।

Answer:

(c) अंकेक्षण प्रक्रिया के रूप में बाहरी पुष्टि : SA 505, ''बाहरी पुष्टि'' शेष की बाहरी पुष्टि का मानक को रखता है। बाहरी पुष्टि को बार–बार खाता शेष तथा उनके हिस्से के संबंध में प्रयुक्त किया जाता है परन्तु इन मदों तक सीमित होने की आवश्यकता नहीं है। उदाहरण के लिए अंकेक्षक समझौता अथवा सौदा की शर्तो की पुष्टि के लिए प्रार्थना कर सकता है जिनका एक इकाई का तृतीय पक्ष के साथ है। पुष्टि प्रार्थना यह पूछने के लिए डिजाइन यदि समझौते में कोई संशोधन हुआ है तथा यदि हों तो, उसका प्रासंगिक विवरण/आय क्षेत्र जहां पर बाहरी पुष्टि को प्रयुक्त किया जा सकता है, में सम्मिलित है : **{2 M}**

- बैंकर्स से बैंक शेष तथा अन्य सूचना
- खाता प्राप्य शेष
- तृतीय पक्ष द्वारा धारित इवेंटरीज
- तृतीय पक्ष द्वारा धारित सम्पत्ति स्वत्व प्रलेख
- क्रय किया निवेश परन्तु सुपुर्दगी नहीं ली
- लेखा देय शेष
- ऋणदाताओं से ऋण
- काफी समय से अदत अंश आवेदन धन।

(Any 4 Points Each 1/2 Mark)

Answer 4:

(a) (a) Modification of Opinion: अंकेक्षक को अंकेक्षक की रिपोर्ट में राय का संशोधन करना होगा जब : **{2 M}**

(i) अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि प्राप्त अंकेक्षण साक्ष्य के आधार पर वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप में सारवान मिथ्या विवरण से मुक्त नहीं है।

(ii) अंकेक्षक यह निष्कर्ष निकालने में कि वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप में सारवान मिथ्या विवरण से मुक्त है, पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ है।

(b) Disclaimer of Opinion: अंकेक्षक एक राय का अदावा करेगा जब अंकेक्षक पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ है जिस पर उसकी राय आधारित है, तथा अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि वित्तीय विवरण पर गैर–खोजी मिथ्या विवरण यदि कोई है तो का संभव प्रभाव दोनों समग्र तथा व्यापार हो सकता है। **{2 M}**

अंकेक्षक बहु अनिश्चितता में लिप्त दुर्लभ परिस्थिति में जब एक राय का अदावा करेगा, जब वह निष्कर्ष निकालता है कि प्रत्येक व्यक्तिगत अनिश्चितता के संबंध में पर्याप्त, उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने के बावजूद उसके लिए अनिश्चितता का भावी संवाद तथा उनके वित्तीय विवरण पर संभव संग्रहीत प्रभाव के कारण वित्तीय विवरण पर राय बनाना संभव नहीं है।

(c) Adverse Opinion: अंकेक्षक एक प्रतिकूल राय को व्यक्त करेगा जब अंकेक्षक पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने के बाद निष्कर्ष निकालता है कि मिथ्या विवरण व्यक्तिगत अथवा योग में वित्तीय विवरण की समग्र तथा व्यापक है। **{1 M}**

(d) Qualified Opinion: अंकेक्षक एक मर्यादित राय प्रकट करेगा जब– **{1 M}**

(i) अंकेक्षक ने पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त कर निष्कर्ष निकाला है, मिथ्या विवरण व्यक्तिगत अथवा योग में वित्तीय विवरण की सारवान है परन्तु व्यापक नहीं है।

(ii) अंकेक्षक पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य जिस पर उसकी राय आधारित है को प्राप्त करने में असमर्थ रहता है परन्तु अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि गैर–खोजी मिथ्या विवरण का संभव प्रभाव यदि कोई है तो सारवान है परन्तु व्यापक नहीं है।

Answer:

(b) **मामला का जोर पैराग्राफ** – अंकेक्षक की रिपोर्ट में सम्मिलित एक पैरा जो वित्तीय विवरण में उपयुक्त रूप से प्रकट अथवा प्रस्तुत एक मामला को संदर्भित किया जो अंकेक्षक का निर्णयन में इस प्रकार का महत्व का है जो वित्तीय विवरण की उपयोगकर्ता की समझ का आधारभूत है। **{1 M}**

अंकेक्षक की रिपोर्ट में मामला का जोर का पैरा

यदि अंकेक्षक उपयोगकर्ता का ध्यान अंकेक्षक के निर्णयन में वित्तीय विवरण में प्रस्तुत अथवा प्रकट मामला की तरफ ध्यान आकर्षित करते हैं, जो इस प्रकार का महत्व है कि यह वित्तीय विवरण की उपयोगकर्ता की समझ का आधारभूत है अंकेक्षक, अंकेक्षक की रिपोर्ट में मामला का जोर पैराग्राफ को सम्मिलित करेगाः– **{1 M}**

(a) अंकेक्षक को मामला का परिणाम के रूप में SA 705 के अनुसार राय का संशोधित करने की आवश्यकता नहीं होगी, तथा

(b) जब SA 701 लागू होता है, मामला का अंकेक्षक की रिपोर्ट में सप्रेषित किये जाने वाले प्रमुख अंकेक्षण मामले के रूप में निर्धारित नहीं किया।

मामला का जोर पैराग्राफ के लिए पृथक खंड

जब अंकेक्षक अंकेक्षक की रिपोर्ट में मामला का जोर पैराग्राफ को सम्मिलित करता है अंकेक्षक : **{2 M}**

(a) उपयुक्त शीर्षक के साथ अंकेक्षक की रिपोर्ट का पृथक खंड के अंदर पैराग्राफ मामला का जोर सम्मिलित है;

(b) पैराग्राफ में जोर दिये जाने वाले मामला का एक स्पष्ट संदर्भ सम्मिलित होगा तथा जहां प्रासंगिक प्रकटीकरण जो मामला को पूर्णतः वर्णित करता है, को वित्तीय विवरण में पाया जा सकता है। पैराग्राफ वित्तीय विवरण में प्रस्तुत अथवा प्रकट सूचना को संदर्भित करेगा; तथा

(c) संकेत देगा कि अंकेक्षक की राय को जोर दिये जाने वाले मामले के सम्बन्ध में संशोधित नहीं किया।

Answer:

(c) लेखांकन का चलायमान संस्था आधार

लेखांकन का चलायमान संस्था आधार के अन्तर्गत वित्तीय विवरण की मान्यता पर तैयार किया जाता है कि इकाई चलायमान संस्था है तथा आने वाले भविष्य के लिए परिचालन को जारी रखेगी। जब लेखांकन का चलायमान संस्था का उपयोग उपयुक्त है, सम्पत्ति तथा दायित्व को आधार पर रिकॉर्ड किया जाता है कि इकाई व्यापार के सामान्य व्यवहार में अपनी सम्पत्ति को वसूल करने तथा दायित्व का निर्वाहन करेगा। **{1 M}**

चलायमान संस्था के सम्बन्ध में अंकेक्षक का उद्देश्य हैः

(i) प्रबंधन तथा जहां उपयुक्त हो संचालन से प्रभारित व्यक्तियों से लिखित प्रतिवेदन प्राप्त करना कि वे वित्तीय विवरण की तैयारी तथा अंकेक्षक को प्रदान सूचना की पूर्णता के लिए अपने कर्तव्यों के लिए अपने कर्तव्यों को पूर्ण करते है;

(ii) लिखित बयानों के माध्यम से वित्तीय विवरण में विशिष्ट कथनों से संबंधित अभिकथन समर्पित करना यदि अंकेक्षक द्वारा आवश्यकता निर्धारित की अथवा अन्य SAs द्वारा आवश्यक है तथा **{3 points 1 Mark Each}**

(iii) प्रबंधन द्वारा प्रदान लिखित प्रतिवेदन पर उपयुक्त रूप से प्रत्युत्तर करना अथवा यदि प्रबंधन अथवा जहां उपयुक्त है संचालन से प्रभारित व्यक्ति अंकेक्षक के द्वारा आवेदित लिखित प्रतिवेदन प्रदान नहीं करता।

Answer 5:

(a) वित्तीय विवरण की तिथि तथा अंकेक्षक की रिपोर्ट की तिथि के मध्य उत्पन्न घटनाओं के सम्बन्ध में अंकेक्षण प्रक्रिया

अंकेक्षक पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य की वित्तीय विवरण की तिथि तथा अंकेक्षक की रिपोर्ट के मध्य उत्पन्न सभी घटना जिसकी वित्तीय विवरण में समायोजन की आवश्यकता है अथवा प्रकटीकरण की आवश्यकता की पहचान कर ली है, को प्राप्त करने के लिए डिजाइन अंकेक्षण प्रक्रिया को निष्पादित करेगा। **{1 M}**

यद्यपि अंकेक्षक से मामले जिस पर पहले से अंकेक्षण प्रक्रिया को लागू किया होने संतोषजनक निष्कर्ष प्रदान किया, पर अतिरिक्त अंकेक्षण प्रक्रिया को निष्पादित करने की अपेक्षा है।

अंकेक्षक उपरोक्त आवश्यक प्रक्रिया का निष्पादन करेगा ताकि वे वित्तीय विवरण की तिथि से अंकेक्षक की रिपोर्ट की तिथि अथवा जब नजदीक जहां तक व्यवहारिक हो, को कवर कर सके। अंकेक्षक अंकेक्षण की जोखिम समीक्षा को हिसाब में लेगा जिसमें निम्न सम्मिलित होगा : **{1 M}**

(a) किसी प्रक्रिया की समझ को प्राप्त करना जिसे प्रबन्धन ने स्थापित किया ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि बाद की घटना की पहचान की जाये।

(b) प्रबन्धन तथा जहां उपयुक्त हो संचालन से प्रभारित व्यक्तियों से पड़ताल करना क्या बाद की घटना उत्पन्न हुई है जो वित्तीय विवरण को प्रभावित करे।

(c) इकाई का स्वामी, प्रबंधन तथा संचालन से प्रभावित की सभा के कार्यवृत्त को पढना जिसे वित्तीय विवरण की तिथि के पश्चात् किया तथा ऐसे मामले जिन पर मीटिंग में विचार किये लेकिन जिनके लिये कार्यवृत्त अभी तक उपलब्ध नहीं है के बारे में जांच करना।

(d) इकाई के नवीनतम उत्तरवर्ती वित्तीय विवरणों को पढ़ना यदि कोई है।

{Any 4 points 1/2 Mark Each}

Answer:

(b) 1. **स्व–ब्याज की धमकियाँ,** जो एक अंकेक्षण फर्म, उसके साझेदार या सहयोगी अंकेक्षण क्लाइंट में वित्तीय हित से लाभान्वित हो सकती हैं। उदाहरणों में शामिल है (i) प्रत्यक्ष वित्तीय हित या एक ग्राहक में अप्रत्यक्ष वित्तीय रुचि, (ii) संबंधित क्लाइट से या उसके लिए ऋण की गारंटी, (iii) ग्राहक की फीस पर अनुचित निर्भरता और इसलिए कार्य को खोने के बारे में चिताओं, (iv) अंकेक्षण क्लाइट कके साथ घनिष्ठ व्यावसायिक संबंध, (v) ग्राहक के साथ संभावित रोजगार और (vi) अंकेक्षण कार्य के लिए आकस्मिक शुल्क। **{1 M}**

2. **स्व–समीक्षा की धमकी,** जो किसी भी फैसले या निष्कर्ष की समीक्षा के दौरान पिछले अंकेक्षण या गैर–अंकेक्षण–परीक्षा कार्य (गैर–अंकेक्षण सेवाओं) में शामिल हैं, किसी अंकेक्षक द्वारा किसी संस्था को प्रदान की जाने वाली किसी भी व्यावसायिक सेवाएँ, आंतरिक अंकेक्षण परीक्षा, निवेश सलाहकार सेवा, सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली आदि का डिजाइन और कार्यान्वयन शामिल हैं, या जब अंकेक्षण टीम का कोई सदस्य पहले से ग्राहक का एक डायरेक्टर या वरिष्ठ कर्मचारी था ऐसी परिस्थितियाँ जहाँ ऐसे खतरे खेल में आते हैं जब एक अंकेक्षक हाल ही में कम्पनी एक डायरेक्टर या वरिष्ठ ओएफएफआई सीयर रहा था, और जब अंकेक्षण परीक्षकों ने उन सेवाओं का प्रदर्शन किया जो स्वयं अंकेक्षण परीक्षा में विषय हैं। **{1 M}**

3. **वकालत खतरों,** जो हो सकता है, जब अंकेक्षक को बढ़ावा देता है, या बढ़ावा देने के लिए माना जाता है, एक बिदुं के लिए एक ग्राहक की राय जहाँ लोग विश्वास कर सकते है कि निष्पक्षता है। समझौता हो रहा है, जब एक अंकेक्षक ऑडिटेड कम्पनी के शेयरों या प्रतिभूतियों के साथ सौदे करता हैं, या मुकदमेबाजी और तीसरे पक्ष विवादों में ग्राहक का वकील बन जाता है। **{1 M}**

4. **परिचित खतरे आत्म–स्पष्ट हैं,** और तब होते हैं जब अंकेक्षक क्लाइंट के साथ संबंध बनाते हैं। जहाँ वे ग्राहक के हितों के प्रति भी सहानुभूति रखते हैं। यह कई मायनों में हो सकता हैः (i) ग्राहक कम्पनी में वरिष्ठ पद पर काम कर रहें अंकेक्षण टीम के करीबी रिश्तेदार, (ii) अंकेक्षण कम्पनी के पूर्व साथी, ग्राहक के एक निदेशक या वरिष्ठ कर्मचारी, (iii) विशिष्ट अंकेक्षण परीक्षकों और उनके विशिष्ट ग्राहकों के समकक्षों के बीच लम्बा एसोसिएशन, और (iv) ग्राहक कम्पनी, उसके निदेशकों या कर्मचारियों से हस्ताक्षर उपहार या आतिथ्य की स्वीकृति। **{1/2 M}**

5. धमकी, जो तब होती है जब अंकेक्षक निष्पक्ष रूप से पेशेवर संदेह की पर्याप्त डिग्री के साथ अभिनय से विचलित हो जाते है। असल में, ये लेखांकन सिद्धांतों के आंवेदन के साथ असहमति पर प्रतिस्थापन के खतरे के कारण हो सकते हैं, या कम अंकेक्षण शुल्क के जवाब में काम को अंसतुलित रूप से कम करने के लिए दबाव। **{1/2 M}**

Answer:

(c) (i) **सांख्यिकी नमूनों के लाभ को निम्न तौर पर संक्षिप्त किया जा सकता है–**

(1) परीक्षण (नमूना आकार) की मात्रा क्षेत्र (जनसंख्या) बढ़ने से नही बढ़ती।

(2) नमूना चयन अधिक उद्देश्यपूर्ण व रक्षापूर्ण है।

(3) यह तरीका कम से कम नमूना आकार के साथ विशेष जोखिम का आंकलन प्रदान करता है।

(4) यह गणितीय जोखिम निकालने व तुलनात्मक में अनुमानित अंतर नमूने के प्रयोग के कारण प्रदान करता है।

{Any 4 Points Each 1/2 Mark}

(5) यह बड़ी मात्रा के डाटा का बेहतर विवरण प्रदान करना है क्योंकि गैर–नमूना त्रुटि जैसे कि प्रक्रियात्मक गलतियाँ अधिक नहीं होती है।
कुछ अंकेक्षणीय परिस्थितियों में सांख्यिकीय नमूना उचित नहीं होगा। अंकेक्षक को सांख्यिकी नमूना करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए जब दूसरार दृष्टिकोण या तो आवश्यक है या कम समय व प्रयास से संतुष्ट सूचना प्राप्त की जा सकती है। उदाहरण के लिए कानूनी आवश्यकतताओं में सटीकता की आवश्यकता है। सांख्यिकीय व गैर–सांख्यिकीय नमूना दृष्टिकोण का प्रयोग अंकेक्षक के निर्णयाधीन होता है। हालांकि नमूना आकार इस भेद का उचित आधार नहीं है।

(ii) **स्तरीय नमूनाः** इस तरीके में पूरी जनसंख्या को छोटे नामक स्तर में बाँटा जाता है व उनमें से नमूना लिया जाता है। प्रत्येक स्तर को अलग जनसंख्या माना जाता है व इन्हीं स्तरों में से इकाइयों का चयन होता है। छोटे समूहों की संख्या अंकेक्षक के निर्णय पर आधारित है। **{2 M}**

Answer:

(d) स्वचालित वातावरण में अंकेक्षण के दौरान निम्नलिखित परीक्षण तरीकों पर ध्यान दिया जायेगाः
(i) पूछताछ
(ii) पर्यवेक्षण
(iii) निरीक्षण
(iv) पुनः क्रियान्वयन **{1 M}**

पूछताछ के साथ निरीक्षण सर्वाधिक प्रभावी व कुशल परीक्षण का तरीका होता है। हालाँकि कब कहाँ और कैसे प्रयोग करना है, यह व्यावसायिक निर्णय का मामला है तथा कई कारकों पर निर्भर करेगा; जैसे–जोखिम का आकलन, नियंत्रण का वातावरण, अपेक्षित साक्ष्य स्तर, त्रुटि/मिथ्यावर्णन का इतिहास, व्यवसाय की जटिलता, अभिकथन आदि। **{1 M}**

Answer 6:

(a) ऐसे खाते जहाँ उधारकर्ताओं द्वारा किए गए सुरक्षा/धोखाधड़ी के मूल्य में कटाव होता हैं, सम्पति वर्गीकरण के चरणों का पालन करने के लिए विवेकपूर्ण नहीं। इसे सीधे–सीधे वर्गीकृत होना चाहिए, संदिग्ध या हानि सम्पति जैसा कि उपयुक्त हैं,

(i) सुरक्षा के मूल्य में क्षरण को सिक्योरिटी के रूप में माना जा सकता है, जब सुरक्षा के वसूली योग्य मूल्य बैंक द्वारा निर्धारित के 50 प्रतिशत से कम या आरबीआई द्वारा पिछले निरीक्षण के समय में स्वीकार किए जाते हैं, जैसा कि मामला हो। ऐसे एनपीए संदिग्ध श्रेणी के तहत सीधे–सीधे क्लास हो सकते है और संविधान सम्पति पर लागू प्रावधान के रूप में प्रावधान किया जाना चाहिए। **{$1^{1/2}$ M}**

(ii) यदि बैंक/अनुमोदित वैल्यूर्स/आरबीआई द्वारा मूल्यांकन के रूप में सुरक्षा के वसूली योग्य मूल्य उधारकर्ता खातों मे बकाया का 10 प्रतिशत से कम हैं, तो सुरक्षा की मौजदूगी को नजरअंदाज किया जाना चाहिए और परिसम्पति सीधे दूर होनी चाहिए, हानि परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकृत। यह या तो लिखित ओएफएफ या बैंक द्वारा पूरी तरह से प्रदान किया जा सकता है। **{$1^{1/2}$ M}**

Answer:

(b) ऑडिट की योजना में नियुक्ति के लिए समग्र ऑडिट रणनीति स्थापित करना और ऑडिट योजना विकसित करना शामिल है। पर्याप्त योजना वित्तीय विवरणों के लेखा–परीक्षण से कई तरह से लाभान्वित होती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं: **{1 M}**

1. लेखा परीक्षक को ऑडिट के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर उचित ध्यान देने में मदद करना।
2. ऑडिटर को समय पर संभावित समस्याओं को पहचानने और हल करने में मदद करना।
3. ऑडिटर को ऑडिट एंगेजमेंट को ठीक से व्यवस्थित और प्रबंधित करने में मदद करना ताकि यह प्रभावी और कुशल तरीके से किया जाए।
4. प्रत्याशित जोखिमों का जवाब देने के लिए क्षमताओं और क्षमता के उचित स्तर के साथ नियुक्ति टीम के सदस्यों के चयन में सहायता करना, और उन्हें काम का उचित असाइनमेंट। **{1/2 M Each }**
5. नियुक्ति टीम के सदस्यों की दिशा और पर्यवेक्षण और उनके काम की समीक्षा की सुविधा।
6. सहायक, जहां लागू हो, घटकों और विशेषज्ञों के लेखा परीक्षकों द्वारा किए गए कार्य के समन्वय में।

Answer:

(c) एक इकाई के वित्तीय वक्तव्यों में प्रस्तुत की जाने वाली तुलनात्मक जानकारी की प्रकृति लागू वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे की आवश्यकताओं पर निर्भर करती है। इस तरह की तुलनात्मक जानकारीः संबंधित आंकड़े और तुलनात्मक वित्तीय विवरणों के संबंध में लेखा परीक्षक की रिपोर्टिंग जिम्मेदारियों के लिए दो अलग–अलग व्यापक दृष्टिकोण हैं। अपनाया जाने वाला दृष्टिकोण अक्सर कानून या विनियमन द्वारा निर्दिष्ट किया जाता है लेकिन नियुक्ति की शर्तों में भी निर्दिष्ट किया जा सकता है। **{$1^{1/2}$ M}**

दृष्टिकोणों के बीच आवश्यक ऑडिट रिपोर्टिंग अंतर हैं, वो निम्न है–

(i) संबंधित आंकड़ों के लिए, वित्तीय वक्तव्यों पर ऑडिटर की राय केवल वर्तमान अवधि को संदर्भित करती है,

(ii) तुलनात्मक वित्तीय वक्तव्यों के लिए, ऑडिटर की राय प्रत्येक अवधि को संदर्भित करती है जिसके लिए वित्तीय विवरण प्रस्तुत किए जाते हैं।

तुलनात्मक जानकारी की परिभाषा – लागू मात्रा रिपोर्टिंग के अनुसार एक या एक से अधिक पूर्व अवधि के संबंध में वित्तीय विवरणों में शामिल मात्रा और प्रकटीकरण।

तुलनात्मक जानकारी के बारे में ऑडिट प्रक्रिया

लेखा परीक्षक यह निर्धारित करेगा कि वित्तीय विवरणों में लागू वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे द्वारा आवश्यक तुलनात्मक जानकारी शामिल है या नहीं और क्या ऐसी जानकारी को उचित रूप से वर्गीकृत किया गया है। इस प्रयोजन के लिए, लेखा परीक्षक मूल्यांकन करेगा कि क्याः **{$1^{1/2}$ M}**

(a) तुलनात्मक जानकारी पूर्व अवधि में प्रस्तुत राशि और अन्य खुलासे से सहमत है, तथा

(b) तुलनात्मक जानकारी में परिलक्षित लेखांकन नीतियां मौजूदा अवधि में लागू किए गए लोगों के अनुरूप हैं या, यदि लेखांकन नीतियों में परिवर्तन हुए हैं, तो क्या उन परिवर्तनों का सही तरीके से लेखा और पर्याप्त रूप से प्रस्तुत और खुलासा किया गया है।

Answer:

(d) अनुसंधान से उत्पन्न कोई अमूर्त संपत्ति (या एक आंतरिक परियोजना के अनुसंधान चरण से) को मान्यता नहीं दी जाएगी। अनुसंधान पर व्यय को एक व्यय के रूप में पहचाना जाएगा जब तक यह एक आंतरिक परियोजना के अनुसंधान चरण में होता है, एवं एक इकाई यह प्रदर्शित नहीं करती है कि एक अमूर्त संपत्ति मौजूद है जो संभावित भविष्य के आर्थिक लाभ उत्पन्न करेगी। इस प्रकार, PQR लिमिटेड के निदेशक मंडल खर्च को आंतरिक रूप से उत्पन्न अमूर्त संपत्ति के रूप में नहीं पहचान सकते हैं। **{2 M}**

एक अमूर्त संपत्ति को मान्यता दी जाएगी यदि,

(i) उक्त संपत्ति पहचान योग्य है,

(ii) इकाई परिसंपत्ति को नियंत्रित करती है यानी इकाई में अंतर्निहित संसाधन से होने वाले भविष्य के आर्थिक लाभ प्राप्त करने और उन लाभों तक दूसरों की पहुंच को सीमित करने की शक्ति होती है, **{1/2 M Each }**

(iii) यह संभावित है कि परिसंपत्ति से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ इकाई में प्रवाहित होंगे,

(iv) वस्तु की लागत को मजबूती से मापा जा सकता है।

__**__